रजिस्ट्रेशन संख्या :– R.N.I. 36355/79
डाक पंजीकरण संख्या :– के0 पी0 सिटी –67/2024–26

चिकित्सा–विज्ञान और प्रौद्योगिक जगत में
सर्वाधिक प्रकाशित होने वाला निषपक्ष समाचार पत्र

पाक्षिक

इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट

यह अंक 9 पेज का है

अधिकार किसको जानने के लिए भारत सरकार की वेबसाइट www.dhr.gov.in लॉगिन कर क्लिक करें अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा गज़ट पढ़ने हेतु log in करें www.behm.org.in

पत्र व्यवहार हेतु पता :–
सम्पादक
इलेक्ट्रो होम्यो मेडिकल गज़ट
127/204 'एस' जूही, कानपुर–208014
सम्पर्क सूत्र :– 9450153215 , 9415074806 , 9415486103

वर्ष – 47 ● अंक – 02 ● कानपुर 16 से 31 जनवरी 2025 ● प्रधान सम्पादक – डा0 एम0 एच0 इदरीसी ● वार्षिक मूल्य ₹ 100

काशमीर से कन्या कुमारी तक महात्मा मैटी का जन्म दिवस की धूम

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आविष्कारक काउण्ट मैटी का 216 वाँ जन्मोत्सव सम्पन्न

इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आविष्कारक काउण्ट सीज़र मैटी का 216 वाँ जन्मोत्सव भव्यता पूर्वक बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के प्रशासनिक कार्यालय के सभागार में जो दुलहन की तरह सजाया गया था बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, सर्व प्रथम महात्मा मैटी के चित्र पर बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी द्वारा माल्यार्पण किया गया तत्पश्चात बोर्ड की ओ0 एस0 डी0 डा0 शाहीना इदरीसी, रजिस्ट्रार डा0 संजय द्विवेदी इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ़ इण्डिया के संयुक्त सचिव डा0 मिथलेश कुमार मिश्रा, बोर्ड के पूर्व रजिस्ट्रार डा0 अतीक अहमद, कानपुर के प्रसिद्ध इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक डा0 वाई0 आई0 खान, कानपुर के ही बहुत पुराने इलेक्ट्रो होम्योपैथ व समय समय पर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक आन्दोलनों में बढ़ – चढ़ कर भाग लेने वाले डा0 आर0 एल0 सविता ने अपने पुष्प महात्मा मैटी को अर्पित किये, चेयरमैन डा0 इदरीसी ने कहा कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी वह चिकित्सा पद्धति है जिससे पुरानी से पुरानी बीमारियों को समूल रुप से नष्ट कर नई ऊर्जा शरीर को प्रदान की जा सकती है बस आवश्यकता है सही औषधि का सही समय पर सही चयन करना, डा0 इदरीसी ने आगे कहा कि मैटी जयन्ती तो हम वर्षो से मनाते चले आ रहे हैं और मनाते रहेंगे।

बोर्ड के रजिस्ट्रार डा0 संजय द्विवेदी ने मैटी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि केन्द्र सरकार किसी भी क्षण इलेक्ट्रो होम्योपैथी की मान्यता के लिये अधिशाषी आदेश जारी कर सकती है डा0 द्विवेदी ने आगे चिकित्सकों का आवाहन किया कि तुम मुझे इलेक्ट्रो होम्यापैथी से प्रैक्टिस करने का वचन दो हम तुम्हें तुम्हारे अधिकार दिलायेंगे हम आप की उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए डा0 मिथलेश कुमार मिश्रा ने कहा कि प्रतीक्षा की घड़ियाँ समाप्त हो चुकी हैं सकारात्मक परिणाम आपके दरवाज़े पर दस्तक दे रहा है।

डा0 श्रीमती शाहीना इदरीसी ने कहा कि कोई भी चीज़ आसानी से प्राप्त नहीं होती है उसके लिए सतत प्रयास करने होते हैं और यही प्रयास रंग लाते हैं, इलेक्ट्रो होम्योपैथी दिन प्रतिदिन विकसित हो रही है परन्तु इसका वास्तविक विकास हम तभी मानेंगे जब इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए सामान्य जन से लेकर हर वर्ग का व्यक्ति इस चिकित्सा पद्धति को स्वीकारने लगे, संकेत अच्छे आ रहे हैं परिणाम भी अच्छे आयेंगे।

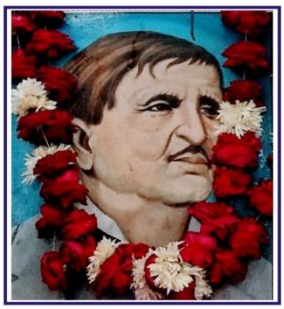

केन्द्र सरकार किसी भी क्षण आदेश कर सकती है
सार्थक प्रचार व प्रसार की आवश्यकता इलेक्ट्रो होम्योपैथी को
बीता समय जीवन में दोबारा नहीं आता
हम तुम्हें तुम्हारे अधिकार दिलायेंगे
तुम इलेक्ट्रो होम्योपैथी से ही प्रैक्टिस करो

कार्यक्रम में अपने विचार देते हुए बोर्ड के पूर्व रजिस्ट्रार डा0 अतीक अहमद ने इस अवसर पर डा0 प्रमोद शंकर बाजपई का स्मरण करते हुये कहा कि हमारे चिकित्सकों को पूरी तनमयता के साथ अपने कार्य में अब सीरियसली लग जाना चाहिये क्योंकि बीता समय जीवन में कभी दोबारा नहीं आता इसलिये हर स्थिति में समय का सदुपयोग करें डा0 अतीक अहमद ने आगे कहा कि आज समय और सरकार दोनों आपके साथ हैं कार्यक्रम को नई ऊर्जा देते हुये डा0 अहमद ने कहा कि अभी भी इसके सार्थक प्रचार व प्रसार की आवश्यकता है यह ज़िम्मेदारी हम लोगों के साथ–साथ चिकित्सकों को भी निभानी होगी डा0 अहमद ने सभी चिकित्सकों से अपील की कि इलेक्ट्रो होम्योपैथी की प्रासंगिकता बनाये रखने के लिए आवश्यक है कि अधिक से अधिक संख्या में चिकित्सक इसी विधा से चिकित्सा व्यवसाय कर जनता को स्वास्थ्य लाभ दें और आज से ही निडर होकर प्रैक्टिस करें।

परम्परानुसार बर्थडे केक काटते हुए लोगों को आज के दिन की बधाई दी गयी जन्मदिन का केक श्रीमती शाहीना इदरीसी व डा0 एम0 एच0 इदरीसी ने उपस्थित जनसमूह के बीच काटा और प्रार्थना हुई।

कार्यक्रम में डा0 वाई0 आई0 खान, डा0 राम अवतार कुशवाहा, डा0 राजेन्द्र प्रसाद, डा0 प्रमोद सिंह, श्री अनुज शुक्ला, मो0 नसीम इदरीसी, शुभम गौतम, अरबी इदरीसी, श्रीमती स्वालेहा इदरीसी, आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे अन्त में सभी आगन्तुकों एवं सहभगियों का आभार व्यक्त करते हुये कार्यक्रम का समापन हुआ।

नोटः– कार्यक्रम सम्बंधित छाया चित्र पेज 3 व 4 पर।

अधिकारिता दिवस मनाया गया

प्रदेश में बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 द्वारा शिक्षित, प्रशिक्षित व पंजीकृत चिकित्सकों को चिकित्सा व्यवस्याय करने का अधिकार प्राप्त है इस हेतु उत्तर प्रदेश शासन के चिकित्सा अनुभाग – 6 ने दिनांक 04 जनवरी, 2012 को शासनादेश जारी किया था, इस आदेश की तिथि को ही हम अधिकार दिवस के रूप में मनाते हैं, जिसमें प्रदेश के अनेक जनपदों में कार्यक्रम होते हैं, यह जानकारी बोर्ड के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी ने बोर्ड के सभागार में आयोजित अधिकार दिवस कार्यक्रम में बतायी उन्होंने कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए उपस्थिति चिकित्सकों को अधिकार दिवस की बधाई देते हुए कहा कि कानपुर में डा0 राम अवतार कुशवाहा तथा डा0 देवानन्द द्वारा ज़रूरतमन्दों के लिये इलेक्ट्रो होम्योपैथिक शिविर लगाकर जनता जनार्दन के बीच अपनी पहचान बनायी है यह प्रंशसनीय कार्य है, हमें इसी प्रकार ज़रूरतमन्दों का सहयोग करते रहना है क्योंकि आने वाले समय में इसी प्रकार के कार्यक्रमों की आवश्यकता है।

बोर्ड के रजिस्ट्रार डा0 संजय द्विवेदी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि 13 वर्ष का समय बीत जाने के उपरान्त भी अधिकारियों के रवैये में परिवर्तन नहीं आया है, जबकि सरकार का रूख इलेक्ट्रो होम्योपैथी के प्रति सकारात्मक है और वह लगातार इस पर कार्य भी कर रही है, श्री मिथलेश कुमार मिश्रा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी एक अधिकार प्राप्त चिकित्सा पद्धति है इसके लिए उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 4 जनवरी, 2012 को आदेश जारी किया जा चुका है, इस आदेश का अनुपालन महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें उ0प्र0 के पत्र दिनांक 2–9–2013 से क्रियान्वित हो रहा है परन्तु प्रदेश का इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक अभी भी अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं है, फलतः वह अभी भी स्वयं को सहज महसूस नहीं कर रहा है जबकि उन्हें चिकित्सा व्यवसाय करने हेतु पूर्ण शासकीय आदेश प्राप्त है, कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डा0 प्रमोद सिंह, डा0 राम औतार कुशवाहा, मो0 नसीम इदरीसी, श्रीमती शाहीना इदरीसी, श्री अनुज शुक्ला,श्री शुभम गौतम आदि उपस्थित हुये तथा अपने अपने विचार व्यक्त किये, सम्बन्धित कार्यक्रम एवं अन्य जनपदों से प्राप्त समाचार व छाया चित्रों को पेज 2 एवं पेज 3 पर देखे।

लो फिर आया नया वर्ष लेकर आया नई सम्भावनायें

नया वर्ष का आगमन हो चुका है हम सभी इस नये नवेले वर्ष का स्वागत भी कर चुके हैं, यह कोई नई बात नहीं है, प्रत्येक 365 दिवसों के बाद परिवर्तन होता रहा है, होता रहेगा और नये वर्ष इसी प्रकार आते–जाते रहेंगे, यह क्रम तबसे जारी है जबसे ईसा वर्ष प्रचलन में आया, नये वर्ष का आना–जाना इस बात का द्योतक होता है कि इन निश्चित 365 दिनों में जिसे हम वर्ष का नाम देते हैं अपनी प्राथमिकतायें तय करते हैं और उन्हीं बिन्दुओं पर कार्य करना प्रारम्भ कर देते हैं इलेक्ट्रो होम्योपैथी में भी प्राथमिकतायें तय होती हैं, संकल्प लिये जाते हैं और परिणामों की प्रतीक्षा की जाती है, इस आने व जाने में हम अपनी उपलब्धियां भी देखते हैं, होना तो यह चाहिये कि जो कुछ भी हमें इस वर्ष किन्हीं कारणों से प्राप्त नहीं हुआ है वह इस नये वर्ष में प्राप्त हो जाये, देखा जाये तो गत वर्ष हमें क्या नहीं मिला इस विषय पर हमें विचार नहीं करना चाहिये क्योंकि जो कुछ भी हमने इच्छा की है वह हमें मिल ही जाये यह आवश्यक नहीं होता है, इलेक्ट्रो होम्योपैथी की विडम्बना है कि आज तक इच्छित वस्तु नहीं प्राप्त हो पाई है, इसके गुण–दोषों पर न जाकर केवल कार्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है, जो वर्ष गुज़र गया वह हमें कोई बहुत बड़ी उपलब्धि नहीं दे गया है परन्तु संतोष की बात यह है कि यदि लाभ नहीं हुआ तो हानि भी नहीं हुई, दूसरे शब्दों में कहा जाये तो यही अर्थ निकल कर आता है कि वर्ष 2024 इलेक्ट्रो होम्योपैथी में बड़ी शान्ति के साथ गुज़र गया, न कोई धमाका हुआ, न कोई गति अवरोध, किसी तरह से हम सब ने 365 दिनों की एक शान्त यात्रा और पार कर ली, परन्तु भविष्य को दृष्टिगत रखते हुये गुज़रे वर्ष से हमें यह सीख लेनी चाहिये कि बहुत अधिक खामोशी भी कभी–कभी ठीक नहीं हुआ करती है।

इलेक्ट्रो होम्योपैथी वह चिकित्सा पद्धति है जिसे स्थापित होने के लिये बहुत लम्बी यात्रा तय करनी है, इस यात्रा को पूर्ण करने में कई पड़ाव भी हमारे सामने आयेंगे इन पड़ावों को पार करते हुये ही हम सफ़लता का स्वाद चख सकते हैं, सफ़लता जब बहुत दिनों तक नहीं मिलती है तब निराशा का जन्म लेना स्वाभाविक है, अस्तु , किन्तु , परन्तु की भावना से ऊपर उठकर केवल कार्य के लिये कार्य करना होगा, वर्षों के आने व जाने का क्रम तब तक चलता रहेगा जब तक सृष्टि है लेकिन हमें यदि वास्तविक परिणामों की आवश्यकता है तो इस क्रम को तोड़ना ही होगा, अब प्रश्न यह उठता है कि यह निरन्तर चलने वाला क्रम कैसे तोड़ा जाये ? समय की गति और वर्ष की अवधि को तोड़ना तो हमारे वश में नहीं है परन्तु इस निश्चित अवधि में हमें अपनी खामोशी तो तोड़नी ही पड़ेगी यदि हम इस खामोशी को नहीं तोड़ पाते तो अच्छे परिणामों की इच्छा करना बन्द कर दें, मात्र कामनाओं से काम नहीं हुआ करते हैं, कामनाओं की पूर्ति के लिये संकल्प बद्धता के साथ कार्य करने होंगे अन्यथा वर्ष दर वर्ष यूँही बीतते जायेंगे और परिणाम वही होंगे जो अभी तक आपके सामने आ रहे हैं, गतिशीलता नहीं होना ही हमारे स्थिरता का प्रतिबिम्ब है अन्य पद्धतियां कहाँ से कहाँ पहुँच गयीं और इलेक्ट्रो होम्योपैथी है जो अभी भी स्थापित होने के लिये संघर्षरत है, व्यवस्थाओं में तो कोई कमी नहीं है परन्तु जो हमारे प्रयास हैं वह इसलिये सफ़ल नहीं हो पा रहें हैं क्योंकि हमारे प्रयासों में एकरुपता नहीं झलकती है, सदैव एक दूसरे के प्रति अविश्वास का भाव बना रहता है, श्रद्धा तो है परन्तु समर्पण की कमी है– संकल्प तो है परन्तु संकल्प साकार करने की भावना लुप्त है यही सब वह कारण हैं जो हमें फलीभूत नहीं होने देते हैं निरन्तरता का जो आभाव है उसे दूर करना पड़ेगा, यह सबकुछ तभी सम्भव है जब हमारे मन में विश्वास होगा, धीरे–धीरे हम सफ़लता के मार्ग पर प्रशस्त होंगे इसी भावना के साथ हमें स्वंय व अपने इष्ट मित्रों को इस बात के लिये प्रेरित करना होगा कि सतत प्रयासों से ही सफ़लता अवश्य मिलती है इसलिये गुज़री हुई बातों को भूलकर इस नये वर्ष में नई ऊर्जा, नई उमंग से लबरेज़ होकर एक नई पारी खेलने के लिये तैयार हो जायें, प्रति क्षण, प्रति पल कुछ न कुछ सदैव नया होता रहता है परन्तु यह नया तभी स्थिर रह पाता है जब हम संकल्पित भाव से कार्य करते हैं। ''नव वर्ष आप सभी को मंगलमय हो''

अधिकारिता दिवस के अवसर पर
अन्य जनपदों से प्राप्त समाचार

मुरादाबाद– मानसरोवर कन्या इन्टर कालेज में शनिवार को इलेक्ट्रो होम्योपैथिक अधिकारिता दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। डा0 एस0 के0 सक्सेना ने बताया कि 04 जनवरी 2012 को उच्च न्यायालय द्वारा यह आदेश दिया गया था कि इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के विकास के लिए शिक्षा, अनुसंधान और अभ्यास के लिए कोई रोकटोक नही है। इस आदेश के 13 साल पूर्ण होने पर आयोजन किया गया। डॉ0 सलीम जैन और डा0 मुजाहिद ने अपने विचार प्रस्तुत किए और इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के महत्व पर प्रकाश डाला। डा0 सुबोध सक्सेना ने कहा कि उच्च न्यायालय द्वारा इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा में अभ्यास के लिए अधिकार प्रदान करने का निर्णय चिकित्सा क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

अधिकारिता दिवस के अवसर पर बायें EH डा0 सुबोध सक्सेना मुरादाबाद में पत्रकारों से वार्ता करते हुये

ولید پور الیکٹرو ہومیو پیتھک سنٹر پر 'یوم حقوق' منایا گیا

ہومیو پیتھک میڈیسن اتر پردیش کو الیکٹرو ہومیو پیتھی کی تعلیم، علاج، تحقیق، رجسٹریشن اور ترقیاتی کاموں کے کرنے کا پورا حق حاصل ہے۔ اس حکم نامہ کی سالگرہ پر ۴ر جنوری کو ہر سال یوم حقوق کے طور پر بورڈ سے وابستہ ہر ادارہ میں منایا جاتا ہے۔ اسی ضمن میں ولید پور الیکٹرو ہومیو پیتھک اسٹڈی سنٹر پر بھی یوم حقوق منایا گیا۔ اس موقع پر مفت میڈیکل کیمپ کا بھی انعقاد کیا گیا۔ یہ میڈیکل کیمپ ۴ر جنوری سے ۱۱ر جنوری تک جاری رہے گا۔ جہاں پر مریضوں کی جانچ کر کے انہیں مفت الیکٹرو ہومیو پیتھک دوائیں بھی دی جائیں گی۔ اس موقع پر ڈاکٹر ایاز احمد، ڈاکٹر ابوالقیس، ڈاکٹر نثار احمد، ڈاکٹر کیم اختر، ریاض الدین، محمد آصف، محمد قاسم، محمد نسیم، ڈاکٹر محمد اشرف اور ڈاکٹر چوہان وغیرہ موجود رہے۔

خیر آباد، مئو ناتھ بھنجن (نامہ نگار): ولید پور الیکٹرو ہومیو پیتھک اسٹڈی سنٹر پر یوم حقوق منایا گیا۔ اس موقع پر سنٹر کے انچارج ڈاکٹر ایاز احمد نے بتایا کہ ۴ر جنوری ۲۰۱۲ء کو حکومت اتر پردیش میڈیکل سیکشن ۶ کے ذریعے الیکٹرو ہومیو پیتھی کے حق میں ایک حکم نامہ جاری کیا گیا تھا۔ اس حکم نامہ کے مطابق بورڈ آف الیکٹرو

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकितसकों ने मनाया अधिकारिता दिवस

जौनपुर– भगवान महावीर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक इन्सटीट्यूट पान दरीबा के तत्वाधान में कार्यालय बदलापुर पड़ाव पर इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सकों ने 13वां अधिकारिता दिवस मनाया मुख्य वक्ता EH डॉ0 प्रमोद कुमार मौर्य ने बताया कि 4 जनवरी 2012 को उत्तर प्रदेश सरकार ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए जो शासनादेश दिया उसके लिए शासन प्रशासन को धन्यवाद आज इलेक्ट्रो होम्योपैथी के चिकित्सक स्वतंत्र रूप से प्रैक्टिस कर सकतें हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए जो अधिकार प्रदान किया है वह बहुत ही सुखद एवं इलेक्ट्रो होम्योपैथी के चिकित्सक अधिकारिता पूर्वक अपने कार्य को शिक्षा, अनुसंधान एवं चिकित्सा हेतु अधिकृत है आज हम लोग बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उत्तर प्रदेश लखनऊ एवं इलेक्ट्रो होम्योपैथिक संगठन ऑफ इण्डिया के अध्यक्ष परम आदरणीय डॉ0 एम0एच0इदरीसी के निर्देशन में संपूर्ण भारत में इलेक्ट्रो होम्योपैथिक विकास एवं अनुसंधान अपनी प्रगति पर है आगामी 11 जनवरी को इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के आविष्कारक महात्मा काउंट सीजर मैटी 216 वां जन्म उत्सव कार्यक्रम भगवान महावीर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक इन्सटीट्यूट की तरफ से मनाया जाएगा इस अवसर पर इलेक्ट्रो होम्योपैथी के द्वारा ठीक हुए मरीजों को फीडबैक लोगों में साझा किया जाएगा।

भारत सरकार इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए जो कमेटी बनाई है कमेटी की रिपोर्ट अति शीघ्र शासन के पटल पर आने वाला है निम्न शिक्षकों ने इस बैठक में भाग लिया EH डॉ0 सैयद नदीम हुसैन, EH डॉ0 शैलेन्द्र कुमार वर्मा जी , EH डॉ0 अशोक कुमार विश्वकर्मा जी EH डॉ0 संदीप यादव जी आदि भाग लिए।

भगवान महावीर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक इन्सटीट्यूट के प्राचार्य EH डा0 प्रमोद कुमार मौर्या बीच में।

अधिकारिता दिवस कार्यक्रम में मंच पर क्रमशः बायें से दायें वरिष्ठ इलेक्ट्रो होम्योपैथ डा0 वाई0 आई0 खान, नव नियुक्त बोर्ड के रजिस्ट्रार डा0 संजय द्विवेदी, बोर्ड के चेयरमैन डा0 एम0 एच0 इदरीसी, बोर्ड की ओ0 एस0 डी0 श्रीमती शाहिना इदरीसी एवं कार्यक्रम का संचालन करते हुये डा0 अतीक अहमद। छाया – गज़ट

कैमरे की नज़र में बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आविष्कारक काउण्ट मैटी का 216 वें जन्मोत्सव के कार्यक्रम

डा0 एम0एच0 इदरीसी चेयरमैन B.E.H.M.U.P. मैटी को माल्यार्पण करते हुये।

बी0ई0एच0एम0 यू0पी0 की ओ.एस.डी. श्रीमती शाहिना इदरीसी महात्मा मैटी को माल्यार्पण करते हुये।

बी0ई0एच0एम0 यू0पी0 के रजिस्ट्रार डा0 संजय द्विवेदी महात्मा मैटी को माल्यार्पण करते हुये। – छाया गजट

डा0 मिथलेश कुमार मिश्रा डा0 मैटी को माल्यार्पण करते हुये।

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आविष्कारक काउण्ट मैटी का 216 वें जन्मोत्सव के कार्यक्रम

डा0 काउण्ट मैटी के 216 जन्मोत्सव पर कार्यक्रम का संचालन करते हुये डा0 अतीक अहमद

मैटी के 216 वें जन्म दिवस पर श्री अनुज शुक्ला अपना स्नेह पुष्प अर्पित करते हुये। — छाया गज़ट

पुष्प अर्पित करते श्री मो0 नसीम — छाया गज़ट

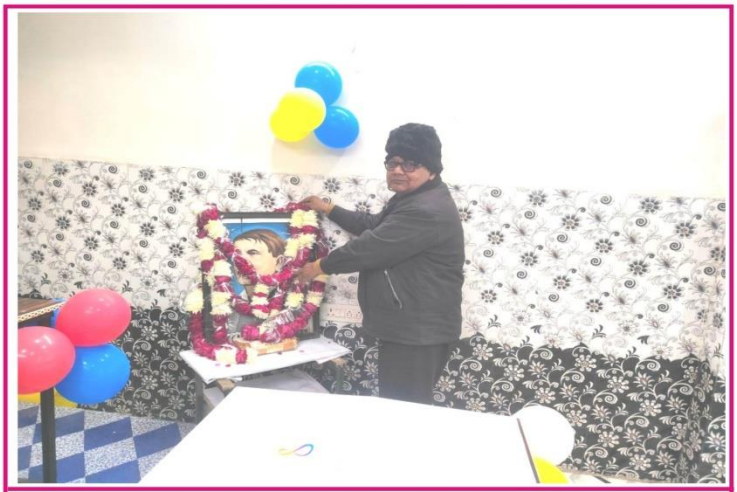

डा0 नन्द लाल सिन्हा के अंतिम शिष्य डा0 वाई0 आई0 खान मैटी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुये।

डा0 काउण्ट सीज़र मैटी के 216 वें जन्मोत्सव के अवसर पर परम्परानुसार बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन, उ0प्र0 के चेयरमैन डा0 एम0एच0 इदरीसी उनके साथ में **B.E.H.M.U.P.**, की **O.S.D.** डा0 श्रीमती शाहिना इदरीसी, बोर्ड के समस्त स्टाफ आये हुये अतिथिगण एवं श्रोतागणों के साथ केक काटते हुये। छाया गज़ट

बी0 ई0 एच0 एम0 के लिए डा0 अतीक अहमद द्वारा गजट प्रेस 126 टी/22 'ए' रामलाल का तालाब, जूही, कानपुर–14 से मुद्रित एवं मिथलेश कुमार मिश्रा द्वारा कम्प्यूटराइज्ड करा कर 9/1 पीली कालोनी, जूही, कानपुर–208014 से प्रकाशित किया।

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन,उ0प्र0 में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के

आविष्कारक के 216 वें जन्मोत्सव पर कार्यक्रम की झलक पेज 6 पर भी जारी

श्री शुभम गौतम डा0 मैटी को पुष्प अर्पित करते हुये। – छाया गज़ट

पुष्प अर्पित करते हुये श्रीमती स्वालेहा इदरीसी– छाया गज़ट

पुष्प अर्पित करते हुये श्री मो0 अरबी इदरीसी– छाया गज़ट

पुष्प अर्पित करते हुये बेबी फ़िलज़ा अरबी इदरीसी– छाया गज़ट

पुष्प अर्पित करते हुये बेबी समरा अरबी इदरीसी– छाया गज़ट

डा0 नन्द लाल सिन्हा के अंतिम शिष्य डा0 वाई0 आई0 खान मैटी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुये।

डा0 आर0 एल0 सविता मैटी जी को पुष्प अर्पित करते हुये – छाया गज़ट

डा0 राम औतार कुशवाहा संचालक कुशवाहा इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर कानपुर पुष्प अर्पित करते हुये

बोर्ड ऑफ़ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसि,उ0प्र0 के कार्यक्रमों की झलक पेज 5 से आगे

सुमन अर्पित करते हुये डा0 अरुण कुमार अरोड़ा – छाया गज़ट

पुष्प अर्पित करते डा0 इक़बाल अंसारी – छाया गज़ट

पुष्प अर्पित करते डा0 राजेन्द्र प्रसाद – छाया गज़ट

डा0 प्रमोद सिंह मैटी जी को माल्यार्पण करते हुये – छाया गज़ट

अन्य जनपदों से प्राप्त समाचार

डा0 मैटी के 216 वें जन्मोत्सव पर कार्यक्रमों के समाचार एवं छाया चित्र पेज 7 पर भी जारी

डा0 मैटी के 216 वें जन्मोत्सव पर आरती इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर, जालौन ने बांटे गरीबों को कम्बल

डा0 मैटी जी के जन्म दिन का केक ग्रहण करते हुये क्षेत्रीय जनता – छाया गज़ट

कम्बल वितरण कार्यक्रम

आरती इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर के मंच पर सजे हुये मेडल उनके लिये हैं जिन परीक्षार्थियों ने बोर्ड की परीक्षा में सर्वाधिक अंक लाकर केन्द्र को गौरवान्वित किया मंच पर केन्द्र प्रमुख डा0 गया प्रसाद

अन्य जनपदों से प्राप्त समाचार

डा0 मैटी के 216 वें जन्मोत्सव से सम्बंधित कार्यक्रम व समाचार पेज 6 से आगे

वलीदपुर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर वलीदपुर, मऊ में डा0 अयाज़ अहमद के तत्वाधान में मैटी दिवस कार्यक्रम सम्पन्न हुआ छाया गज़ट

मऊ– बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन उ0प्र0 से सम्बद्ध वलीदपुर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेन्टर पर इलेक्ट्रो होम्योपैथी के जनक डा0 काउंट सीजर मैटी का 216वां जन्मोत्सव बड़े ही धूम धाम से मनाया गया सर्वप्रथम मैटी जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया फिर स्टडी सेन्टर प्रभारी डा0 अयाज अहमद ने उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने 8165 में इलेक्ट्रो होम्योपैथी का आाविष्कार केवल वनस्पति जगत के पेड़ पौधों एवं वनस्पतियों से किया इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए भारत सरकार ने 21 जून 2011 को और उ0प्र0 शासन चिकित्सा अनुभाग 6 ने 4 जनवरी 20212 को आदेश जारी किए है। जिसके अनुसार बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन उ0प्र0 इलेक्ट्रो होम्योपैथी की शिक्षा, चिकित्सा एवं अनुसंधान एवं विकास हेतु कार्य करता है। इस अवसर पर अवसर पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर का भी आयोजन 4 जनवरी से 11 जनवरी तक किया गया जहां पर 150 रोगियों की जांच करके उन्हें इलेक्ट्रो होम्योपैथी की दवाएं भी दी गयी। शिविर में जांच हेतु डा0 अबुल कैश तथा दवा लिखने में डा0 अयाज अहमद ने अपना योगदान दिया। मैटी जन्मोत्सव में डा0 अशरफ, डा0 शाहिद, डा0 आसिफ, नसीम अख्तर, डा0 नेसार अहमद, डा0 जवाहर लाल सोनकर, बेचन चौहान, मोहम्मद आसिफ आदि उपस्थित रहें।

मुरादाबाद– इलेक्ट्रो होम्योपैथी के जनक डा0 काउंट सीजर मैटी का जन्मदिवस धूमधाम से स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भवन कंपनी बाग में मनाया गया इस जन्म दिवस को इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया, इलेक्ट्रो होम्योपैथिक फिजिशियन एसोसिएशन मुरादाबाद एवं इलेक्ट्रो होम्योपैथिक रिसर्च फाउंडेशन के द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। एमएलसी डा0 जयपाल सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में डा0 मैटी के चित्र पर माल्यार्पण किया और मां सरस्वती के आगे दीप प्रज्वलन करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया इसी कार्यक्रम में डा0 रेहान उल हुदा के द्वारा हिन्दी में लिखित द ऑप्टिमल स्टेट नामक पुस्तक का विमोचन मुख्य अतिथियों के साथ किया। विशिष्ट अतिथि डा0 श्रीराम शर्मा, डा0 प्रदीप शर्मा, जिनका स्वागत कोर कमेटी के सदस्यों ने किया। वक्ताओं ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी के प्रचार प्रसार पर जोर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डा0 एसके सक्सेना ने की मुख्य अतिथि डा0 जयपाल सिंह व्यस्त ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी को भविष्य की एक श्रेष्ठ पद्धति बताया एम हारून जो कि एचएसबी मेडिकल इन्सटीट्यूट के डायरेक्टर है ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी की दवाओं की शक्ति के बारे में बताया। बुशरा जबीं ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी की दवाओं के बनने की विधि का वर्णन करके साथियों में जोश भरने का काम किया संचालन डा0 बी कुमार एवं डा0 सलिल जैन ने संयुक्त रूप से किया सेनानी भवन के सचिव श्री धवल दीक्षित ने चिकित्सकों को संबोधित किया। केजीके कॉलेज में लॉ के प्रोफेसर श्रीराम जी ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी के विधि विभाग का भार अपने ऊपर लेने की घोषणा की डा0 रवि प्रकाश ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी का विशाद वर्णन किया। डा0 सुबोध सक्सेना ने अपने अध्यक्षीय भाषण में सभी का धन्यवाद देकर सभा का समापन किया। कार्यक्रम में डा0 बाल कृष्ण, डा0 बदलू राम, डा0 मंजूलता सक्सेना, डा0 वीर सिंह, डा0 मनोज कुमार सिंह, डा0 फहीम आतिश, डा0 अमर चक्रवर्ती, डा0 एस0के0 सक्सेना, डा0 इन्द्रजीत सिंह, डा0 सलील जैन, डा0 महेश्वर हुसैन, डा0 महावीर सिंह, डा0 अजय मेहरा, डा0 अनुज कुमार सिंह, जानकी प्रसाद, कैलाश यादव, डा0 सुरेश कश्यप, भूपेन्द्र कुमार, डा0 इंतजार अली, डा0 अरविन्द सक्सेना, डा0 देवेन्द्र कुमार, डा0 विजय सक्सेना, डा0 समीर रस्तोगी, डा0 उर्वशी सक्सेना आदि का योगदान रहा।

शेष पेज 8 पर

मुरादाबाद में मैटी का 216वां जन्मोत्सव कार्यक्रम डा0 सुबोध कुमार सक्सेना के तत्वाधान सम्पन्न हुआ छाया गज़ट

अन्य जनपदों से प्राप्त समाचार

डा0 मैटी के 216 वें जन्मोत्सव से सम्बंधित कार्यक्रम व समाचार पेज 7 से आगे

रायबरेली– इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आविष्कारक डा0 काउंट सीजर मैटी का 216वां जन्मदिवस आशीष इलेक्ट्रो होम्योपैथी इन्सटीट्यूट छजलापुर रायबरेली में धूम धाम से मनाया गया तथा चिकित्सकों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। उक्त अवसर पर इन्सटीट्यूट के प्राचार्य डा0 पी0एन0 कुशवाहा ने कहा कि आज के दिन डा0 मैटी का जन्म 11 जनवरी 1809 को इटली के ब्रोलोग्ना में एक जमींदार परिवार में जन्म हुआ उनकी शिक्षा दीक्षा उच्चकोटि की होने के कारण दलितों एवं गरीबों के प्रति अगाध प्रेम था इसलिए उन्होंने चिकित्सा सेवा का व्रत लिया और उन्होंने जड़ी बूटियों से निर्मित अर्क के रूप में इलेक्ट्रो होम्योपैथी का जन्म दिया। उक्त अवसर पर उपप्राचार्य डा0 रमेश कुमार द्विवेदी ने कहा कि डा0 मैटी एक चिकित्सक के अतिरिक्त महान दानी भी थे। उन्होंने 1895 में कनक नेडी मंगलूर (दक्षिण भारत) में फादर मूलर स्थापित कुष्ठ निर्माण अस्पताल के दो हजार तीन सौ पंचानवें रूपये दान के रूप में प्रदान किया था। उक्त अवसर पर मा0क0प0 के पूर्व जिला मंत्री रामदीन विश्वकर्मा ने कहा कि सभी चिकित्सक जनपद में अपनी इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति से ही चिकित्सा को यही डा0 मैटी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उक्त अवसर पर डा0 त्रिलोक सिंह, रमेश कुमार तिवारी, सत्यपाल वर्मा, सुनील कुमार, शोभनाथ, लाल जी पटेल, सालिकराम मौर्य, शुभम, राजेन्द्र सिंह, रावेन्द्र कुमार, मलखान, प्रदीप कुमार, राधेश्याम, रामसजीवन, रामविशाल, रामलखन आदि उपस्थित रहे।

आशीष इलेक्ट्रो होम्योपैथी इन्सटीट्यूट छजलापुर, रायबरेली में डा0 मैटी के 216वें जन्मोत्सव के अवसर पर माल्यार्पण करते इलेक्ट्रो होम्योपैथी के चिकित्सक।

लखनऊ– 12 जनवरी, 2025 बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन उ0प्र0, 8 लाल बाग लखनऊ में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आविष्कारक डा0 काउंट सीजर मैटी का 216वां जन्मोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया, सबसे पहले बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन उ0प्र0 के चेयरमैन डा0एम0एच0 इदरीसी ने डा0 काउंट सीजर मैटी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया माल्यार्पण करने के क्रम में लखनऊ के इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक डा0 पी0 आर0 धूसिया, अवध इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट के प्राचार्य डा0 आशुतोष कपूर द्वारा डा0 काउंट सीजर मैटी के चित्र पर माल्यार्पण किया गया, इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया के संयुक्त सचिव डा0 मिथलेश कुमार मिश्रा, बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन उ0प्र0 लखनऊ के प्रभारी श्री मो0 नसीम इदरीसी ने भी डा0 काउंट सीजर मैटी के चित्र पर माल्यार्पण किया, इस भव्य कार्यक्रम में अवध इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट के पूर्व छात्रों, जनपद लखनऊ के इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों ने बारी बारी से माल्यार्पण किया, इस अवसर पर बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन उ0प्र0 के चेयरमैन ...

शेष पेज 9 पर

आशीष इलेक्ट्रो होम्योपैथी इन्सटीट्यूट छजलापुर, रायबरेली में धूम धाम से सम्पन्न हुआ मैटी का 216वां जन्मोत्सव। छाया गज़ट

अन्य जनपदों से प्राप्त समाचार

डा0 मैटी के 216 वें जन्मोत्सव से सम्बंधित कार्यक्रम व समाचार पेज 8 से आगे

डा0 एम0 एच0 इदरीसी ने अपने सम्बोधन में कहा कि आज जो अनिश्चितता है निश्चित रूप से कल वह समाप्त होगी भारत सरकार द्वारा जो भी जानकारी चाही गयी है वह सभी प्रेषित की जा चुकी है अन्य जो जानकारियां हैं वह भी भारत सरकार के पास उपलब्ध हैं।

मान्यता के लिए न तो संख्याबल की आवश्यकता है और न क्षेत्र की यहां तो संख्या भी पर्याप्त है और क्षेत्र के नाम पर पूरा भारतवर्ष है, भारत का ऐसा कोई कोना नहीं है जहां पर इलेक्ट्रो होम्योपैथ की उपस्थिति न हो यह सरकार की नीति है कि न तो वह हमारे चिकित्सकों की तरफ ध्यान दे रही है न ही हमारे कार्य की तरफ, धीरे– धीरे हर सीमा का अन्त भी होता जा रहा है एवं अब वह समय भी आ चुका है जब अनिश्चितता समाप्त होकर निश्चितता में बदल जायेगी।

अन्त में सभी को मैटी जन्मोत्सव एवं नव वर्ष की शुभकामनाओं के साथ सभी का मुँह मीठा कराकर कार्यक्रम का समापन हुआ।

डा0 एम0 एच0 इदरीसी माल्यार्पण करते हुये।

डा0 आशुतोष कपूर माल्यार्पण करते हुये।

इलेक्ट्रो होमेपैथिक चिकित्सक डा0 पी0 आर0 धूसिया मैटी जी को माल्यार्पण करते हुये।

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन उ0प्र0, लखनऊ कार्यालय में डा0 मैटी के जन्मोत्सव पर उपस्थित पी0 आर0डी0 सेन्दर से सम्बद्ध लोग।

बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन उ0प्र0, 8 लाल बाग, लखनऊ में इलेक्ट्रो होम्योपैथी के आविष्कारक डा0 काउंट सीजर मैटी का 216वां जन्मोत्सव 12 जनवरी, 2025 को कार्यालय में आयोजित किया गया, इस अवसर पर क्षेत्र के अनेक इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों एवं पूर्व छात्रों ने भाग लिया चित्र में बायें से दाये क्रमशः डा0 मिथलेश कुमार मिश्रा, डा0 एम0 एच0 इदरीसी– चेयरमैन **B.E.H.M.U.P.** डा0 आशुतोष कपूर, अवध इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिकल इन्सटीट्यूट के पूर्व छात्र एवं बुद्धजीवी इशू के संस्थापक श्री मुहम्मद खालिद हैं।